an>

Title: The Minister of Home Affairs made a statement on recent attack on security forces at Sukma, Chhattisgarh on 11 March, 2017.

गृह मंत्री (श्री राजनाथ सिंह) : अध्यक्ष महोदया, मैं 11 मार्च, 2017 को सुकमा, छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों पर हुए हमले के संबंध में वक्तव्य देने के लिए खड़ा हुआ हूँ।

दिनांक 11 मार्च, 2017 को सी.आर.पी.एफ. की 02 कंपनियां सुकमा जिले के भेजी-गोरखा-इंजीराम सड़क निर्माण कार्य के सुरक्षा हेतु तैनात थीं। लगभग 0853 बजे जब सुरक्षा बल ग्राम बांकुपाड़ा से सटे जंगल में पहुँचा तो वामपंथी उग्रवादियों ने घात लगाकर हमला करते हुए हैवी फायरिंग के साथ-साथ आई.ई.डी. का इस्तेमाल किया। इस घटना में दुर्भाग्यवश 12 सुरक्षा कर्मी वीरगति को प्राप्त हुए तथा 02 गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की स्थिति स्थिर है तथा वे खतरे से बाहर हैं। इस घटना में वामपंथी उग्रवादियों के द्वारा कुल 13 हथियार एवं वायरलेस सेट छीने गए। वीरगति प्राप्त एवं घायल सुरक्षा कर्मियों के नाम निम्न प्रकार हैं-

<u>वीरगति प्राप्त सुरक्षा कर्मियों की नामावली</u>

1. निरीक्षक जगजीत सिंह
2. सहायक उप निरीक्षक हीरा बल्लभ भट्ट
3. सहायक उप निरीक्षक नरेन्द्र सिंह
4. सिपाही सुरेश कुमार
5. सिपाही मंगेश बल पाण्डे
6. सिपाही रामपाल सिंह यादव
7. सिपाही गोरखनाथ
8. सिपाही नन्द कुमार अथराम
9. सिपाही सतीश चन्द वर्मा
10. सिपाही के. शंकर
11. हवलदार पी.आर. मैनडेह
12. हवलदार जगदीश प्रसाद बिश्नोई

<u>घायल सुरक्षा कर्मियों की नामावली</u>

1. सिपाही जयदेव प्रमाणिक
2. सिपाही मो. सलीम सगत

मैं वीरगति प्राप्त सुरक्षा कर्मियों के शोक संतिप्त परिवार के साथ संवेदना व्यक्त करता हूँ और उन्हें बताना चाहूंगा कि उनके शोक की इस घड़ी में पूरा देश उनके साथ है। उनके बलिदान को यह देश हमेशा याद रखेगा। घायल वीरों की पर्याप्त और अच्छी से अच्छी चिकित्सा कराई जाएगी, और मैं पूरे सदन की ओर से उनके शीघ्र स्वास्थ-लाभ की मनोकामना करता हूँ।

वामपंथी उग्रवाद के विरुद्ध सुरक्षा बलों की अप्रत्याशित कामयाबियों से वामपंथी समूहों में हड़बड़ाहट स्पष्ट रूप से प्रतीत हो रही है। वर्ष 2016 में सुरक्षा बलों ने सभी वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों, विशेषकर छत्तीसगढ़ में जबरदस्त सफलता प्राप्त की तथा 135 उग्रवादियों को मार गिराया, 779 को गिरफ्तार किया और 1198 ने आत्मसमर्पण किया। छत्तीसगढ़ में वर्ष 2015 की तुलना में वर्ष 2016 में वामपंथी उग्रवाद की घटनाओं में 15 प्रतिशत की कमी आई है तथा हिंसक घटनाएं वर्ष 2015 में 466 से घटकर वर्ष 2016 में 395 हो गई। पिछले वर्ष के सभी आंकड़े सुरक्षा बलों की दक्षता एवं कार्यकुशलता का प्रमाण हैं -

- वर्ष 2015 की अपेक्षा वर्ष 2016 में मारे गए वामपंथी उग्रवादियों की संख्या में 150 प्रतिशत की वृद्धि हुई (2015 में 89 से 2016 में 222) वामपंथी मारे गए।
- वर्ष 2015 की अपेक्षा वर्ष 2016 में वामपंथी उग्रवादियों के आत्मसमर्पण और गिरफ्तारी में भी 47 प्रतिशत की वृद्धि हुई, (2238 से 3282)।
- सुरक्षा बलों द्वारा वर्ष 2016 में सिर्फ 03 हथियार गंवाए जबकि वर्ष 2015 में यह संख्या 15 थी।
- 67 प्रतिशत मुठभेड़ों में वामपंथी उग्रवादी मारे गए। यह संख्या वर्ष 2015 में सिर्फ 36 प्रतिशत थी।
- दक्षिण बस्तर में, जोकि वामपंथी उग्रवाद का गढ़ है, हिंसा की घटनाओं में 22 प्रतिशत की कमी हुई। (2015 में 326 से 2016 में 252)।

वर्ष 2016 में वामपंथी उग्रवादियों को अप्रत्याशित हानि उठानी पड़ी, इसका ज़िक्र उन्होंने अपने बयानों एवं दस्तावेजों में खुलकर किया है। वामपंथी उग्रवादी अपने कैडर्स के गिरते हुए मनोबल को बढ़ाने के प्रयास में इस प्रकार की घटनाओं को अंजाम देने हेतु प्रयासरत् रहेंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे वीर जवान और अधिकारी इसका मुकाबला डटकर करेंगे और वामपंथी उग्रवाद का शीघ्र से शीघ्र अंत सुनिश्चित करने में अपना पूरा योगदान देंगे।

. परन्तु इस घटना विशेष पर आत्मनिरीक्षण की आवश्यकता है। मैंने महानिदेशक CRPF को निर्देशित किया है कि इस मामले की पूर्ण जांच कर मुझे रिपोर्ट दें ताकि, घटना हमारी किस कमी से हुई, यह मालूम पड़ सके। ऐसी घटनाओं की सम्भावनाओं को कम किया जाए, और उनकी पुनरावृत्ति न हो।

मैंने घटना के दिन ही छत्तीसगढ़ जाकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा घायलों से मुलाकात की। शहीदों के पार्थिव शरीर को उनके परिवारजनों तक पहुंचाने की व्यवस्था कर दी गई है। जीवन की क्षति की भरपाई आर्थिक मदद से पूरी नहीं हो सकती, फिर भी शहीदों के परिजनों को केन्द्र सरकार से रू. 35 लाख ex-gratia, रु. 20 लाख CRPF Risk Fund से और रु. एक लाख CRPF Welfare Fund से दिया जायेगा। इसके अतिरिक्त रु. 25 लाख बीमा योजना के तहत तथा रु. तीन लाख ex-gratia छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा भी दिया जाएगा। शहीदों के उत्तराधिकारियों को

उनके सेवानिवृत्ति की अवधि तक पूर्ण वेतन Liberalized Pensionary Award (LPA) के तहत दिया जायेगा।

मैं सदन को विश्वास दिलाता हूं कि केन्द्र सरकार सुरक्षा बलों को हर प्रकार से सक्षम करने हेतु कृत संकल्प है। इसी प्रकार हम राज्यों की सहायता training एवं capacity building में करते रहेंगे। साथ ही intelligence sharing तथा आवश्यकता अनुसार केन्द्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती जारी रहेगी।

मैं इस सदन के माध्यम से पूरे देश को आश्वस्त करना चाहता हूं कि वामपंथी उग्रवादियों के द्वारा अपने स्वार्थ के लिए देश के कुछ हिस्सों को विकास के लाभ से वंचित रखने एवं जनता को गुमराह करने की नीति को कामयाब नहीं होने दिया जायेगा।

मैं एक बार फिर वीरगति प्राप्त सुरक्षा कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं तथा उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए सदन को आश्वस्त करना चाहूंगा कि इन शहीदों का बलिदान किसी भी सूरत में व्यर्थ नहीं जायेगा।

[Placed in Library, See No. LT 6570A/16/17]

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : महोदया, मैं एक क्लेरिफिकेशन पूछना चाहता हूं।

माननीय अध्यक्ष : इस पर क्लेरिफिकेशन नहीं होता है।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: जो इंसिडेंट हुई है, क्या इसमें इंटेलिजेंस की रिपोर्ट आने में देरी हुई...(व्यवधान) क्या यह इंटेलिजेंस रिपोर्ट का फेल्योर है? क्या इंफोर्मेशन ठीक नहीं थी...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप एक नई परिपाटी मत डालो, यदि उत्तर देना हो तो वह दे सकते हैं।

रसायन और उर्वरक मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री अनन्तकुमार): महोदया, माननीय गृह मंत्री जी अपना स्टेटमैन्ट दे चुके हैं और यह परम्परा है कि स्टेटमैन्ट के ऊपर क्लेरिफिकेशन नहीं दिया जाता है।

माननीय अध्यक्ष : मैंने वही बात बोली है, आप एक नई परिपाटी मत डालो। स्टेटमैन्ट पर एक्सप्लेनेशन नहीं पूछा जाता है, ऐसी परिपाटी नहीं है।

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: Several people have died....(*Interruptions*) No financial support is given....(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : वह दिया है, सब कुछ हुआ है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप डिस्कशन मांगिये, मैं मना नहीं कर रही हूं, लेकिन यह अभी नहीं होगा। आप नोटिस दे दो, हम डिस्कशन अलाऊ कर देंगे।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: मैडम, यह ठीक नहीं है।

माननीय अध्यक्ष : आप नोटिस दे दो, अगर आप डिस्कशन चाहते हो तो मैं मना नहीं कर रही हूं, मगर ऐसे मत कीजिए।

श्री अनन्तकुमार : मैडम, क्लेरिफिकेशन की परम्परा नहीं है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इस पर ऐसे प्रश्नोत्तर की परम्परा नहीं है।